Telangana Today 28-June-2021

Heavy rains cool down city

Motorists make their way in rain on Tank Bund in Hyderabad on Sunday. — Photo: Anand Dharmana

CITY BUREAU
Hyderabad

Light to heavy rainfall lashed many parts of Hyderabad on Sunday bringing down the maximum and minimum temperatures by two to three degrees Celsius. While some areas registered light showers, several other parts in Hyderabad received more than 80 mm of rainfall.

Indiranagar Community Hall under the Bandalguda zone registered the highest rainfall of 88.8 mm while Osmania University recorded 80.3 mm of rainfall, according to the rainfall data from the Automatic Weather Stations (AWS) that are operated by Telangana State Development Planning Society (TSPDS).

Areas under Medchal-Malkajgiri district, especially Kapra recorded a heavy rainfall of 68 mm, TSPDS said. The AWS stations at Madhusudhan Nagar, Prashanth Nagar, Sitaphalmandi, Habsiguda, Nacharam, Kapra, Malkajgiri, Mettuguda and Musheerabad recorded rainfall between 63.5 and 80 mm.

(SEE PAGE 2)

The Hans 28-June-2021

More rains in store

TS gears up to tackle inundation and waterlogging

HANS NEWS SERVICE
HYDERABAD

TELANGANA is likely to witness heavy rains in the next 48 hours under the influence of cyclonic circulation which lies over coastal Andhra Pradesh.

The IMD (India Meteorological Department) has predicted light to moderate rains with thunderstorms in many areas in Telangana. Heavy rains are likely in north Telangana.

Meanwhile, many districts in the State, including Ranga Reddy, Medak, Warangal, Adilabad, Karimnagar, Komaram Bheem, Nizamabad, Khammam, Sircilla, Suryapet, Sangareddy, and Jogulamba Gadwal district experienced moderate rains. But it was enough to cause damage to standing vegetable and commercial crops. The state agriculture and marketing department has been asked to assess the damage.

Disaster management teams have been deployed in Warangal, Khammam and Karimnagar Municipal Corporations where the threat of submergence of low-lying areas are more. During the last monsoon season, Warangal town bore the brunt of heavy rains and many areas were inundated.

The State Irrigation department asked to monitor water levels at all minor, medium, and major reservoirs. Flood flows in Krishna and Godavari were under close watch.

The highest rainfall of 15.4 cm was reported in Habshipur village in Siddipet district, followed by Tukkapur with 10.8 cm in the same district. In Khammam district, Sirupuram village received the highest rainfall of 10 cm till on Sunday evening.

Continued on Page 7

Rajasthan Patrika 28-June-2021

समुद्र है तो जीवन है

धरती के 70 प्रतिशत भू-भाग पर फैली 97 प्रतिशत विशाल समुद्री जलराशि हमारे लिए क्या महत्त्व रखती है? सीधे-से दिखते इस सवाल के जवाब दरअसल महासागर खुद बताते हैं। इससे जुड़े प्रश्न तो और भी हैं। जैसे, समुद्र के खारेपन का धरती पर फैले अनगिनत रंगों से क्या रिश्ता है? समुद्री पानी के ठंडा या गर्म होने हमें क्या फर्क पड़ता है? महासागरों में मौजूद जीवों की प्रजातियां कैसे जैव विविधता को प्रभावित करती हैं?

सच यह है कि यदि समुद्र में इतनी विशाल जलराशि न होती, तो वैश्विक तापमान में वृद्धि की वर्तमान चुनौती अब तक हमारा गला सुखा चुकी होती। यदि महासागरों में जैव विविधता का विशाल भंडार न होता, तो पृथ्वी पर जीवन ही न होता। यदि समुद्र का पानी खारा न होता, तो गर्म प्रदेश और गर्म हो जाते तथा ठंडे प्रदेश और ज्यादा ठंडे। यदि समुद्र न होता, तो मानसून बंगाल की खाड़ी से उठकर उत्तर भारत का रास्ता न पकड़ता।

यह महासागर की विशाल जलराशि ही है, जो सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को सोख लेती है। यह ऊष्मा

समुद्र के पानी में तुलनात्मक अधिक गर्मी के रूप में मौजूद रहती है। इसका दूसरा भंडारण समुद्र के भीतर मौजूद द्वीपों के नीचे छिपे ज्वालामुखियों के रूप में होता है। ये ज्वालामुखी स्वच्छ भू-तापीय ऊर्जा के बड़े भंडार माने जाते हैं।

यदि समुद्रों में पानी की इतनी विशाल जलराशि न होती तो जो जल उठकर आसमान में बादल बनता है, उसकी इतनी बड़ी मात्रा हम कहां से लाते? तब बारिश की कमी हो जाती। हम मीठे जल से वंचित हो जाते। नदियों के पानी का समुद्र में बहकर जाना व्यर्थ नहीं, बल्कि जरूरी है।

तमाम तरह के ईंधन जलाकर हम जीवन के लिए घातक ऐसी गैसों का प्रतिशत वायुमंडल में बढ़ाते हैं; समुद्र घटाते हैं। इतना बड़ा और महत्त्वपूर्ण प्रदूषण नियंत्रक इस दुनिया में कोई दूसरा नहीं है। यदि आज पृथ्वी पर जीवन है, तो इसमें समुद्र की बहुत बड़ी भूमिका है। यानी समुद्र है तो जीवन है।

Rajasthan Patrika 28-June-2021

सड़क लबालब... तो यों बना 'सहारा'

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के कालीघाट में शुक्रवार को गंगा नदी के ज्वार के कारण सड़क पर भरे पानी के बीच से बुजुर्ग महिला को लेकर जाता शख्स।

अब तक 28 फीसदी अधिक बारिश

मौसम विभाग के अनुसार देश में मानसून के दौरान 28% ज्यादा वर्षा हुई है। 23 जून तक 145.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य (114.2 मिमी) से ज्यादा है। मानसून ने जून के दूसरे सप्ताह में ही देश के 80% हिस्से को कवर कर लिया था, पर बाद में गति सुस्त पड़ गई।

मानसून वॉच

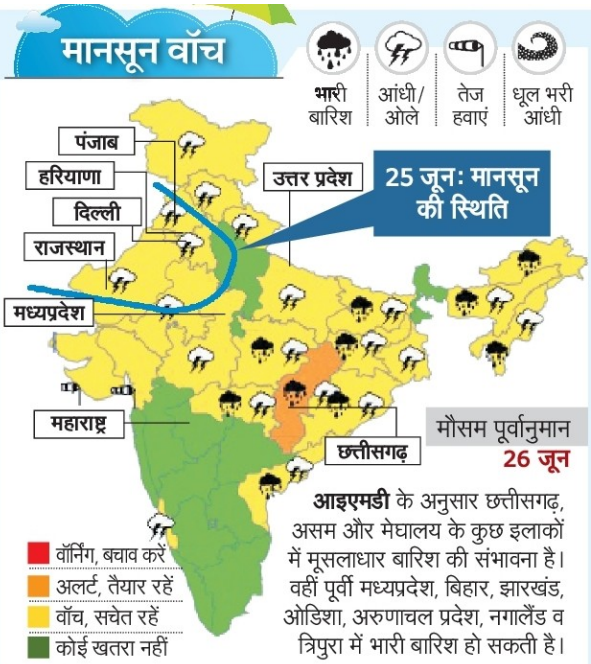

आइएमडी के अनुसार छत्तीसगढ़, असम और मेघालय के कुछ इलाकों में मूसलाधार बारिश की संभावना है। वहीं पूर्वी मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड व त्रिपुरा में भारी बारिश हो सकती है।

दक्षिण भारत में भी कमजोर पड़ा मानसून

आइएमडी के अनुसार दक्षिण भारत में भी मानसून कमजोर रहेगा। बारिश नहीं होने से उत्तर-पश्चिम और आसपास के मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

Haribhoomi 28-June-2021

मौसम विभाग ने कहा–देश में मानसून पड़ा सुस्त, कई राज्यों में आंधी के साथ हुई बारिश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में मानसून की गति थोड़ी कम हुई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब समेत उत्तर पश्चिम भारत में शनिवार को आंधी के साथ छिटपुट बारिश हुई।

मौसम विभाग ने कहा है कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार के लोगों को मानसून की भारी बारिश के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। हालांकि बिहार और यूपी में मानसून की बारिश शुरू हो चुकी है। आईएमडी के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून का बाड़मेर, भीलवाड़ा, धौलपुर, अलीगढ़, मेरठ, अंबाला और अमृतसर से गुजरना जारी है।

फिलहाल परिस्थितियां अनुकूल नहीं बन सकीं

मौसम विभाग ने कहा है कि मौसम की मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर बड़े पैमाने पर वायुमंडलीय विशेषताएं और हवा का पूर्वानुमान यह संकेत देता है कि दक्षिण पश्चिम मानसून के अगले सात दिन में राजस्थान के बाकी हिस्सों, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की संभावना नहीं हैं।

बिहार और बंगाल में हुई बरसात

स्काईमेट वेदर के मुताबिक रविवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार के कुछ हिस्सों, झारखंड, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों, तटीय ओडिशा, तेलंगाना के कुछ हिस्सों और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई। पूर्वोत्तर भारत, तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों, विदर्भ के कुछ हिस्सों और कोंकण और गोवा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर कुछ देर के लिए तेज बारिश के संकेत हैं।

इन राज्यों में मध्यम बारिश के आसार

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिमी हिमालय, दक्षिणपूर्व राजस्थान और गुजरात क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश से जुड़ी धूल भरी आंधी आ सकती है।

बिहार में भारी बारिश और वज्रपात का खतरा

बिहार के कई इलाकों में एक बार फिर भारी बारिश और वज्रपात का खतरा मंडरा रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग ने कई जिलों में बारिश के साथ भारी वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया है। बारिश का असर बिहार में अभी से ही दिखने लगा है। बिहार विधानसभा परिसर में पानी भर गया है। नालंदा, गया जैसे जिलों में भी शहरी इलाकों में पानी का भराव हो गया है। घरों में पानी घुस गये हैं। यही हाल राजधानी पटना का है।

उत्तरप्रदेश में कई जगहों पर छिटपुट बारिश

मानसून आने के बाद भी उत्तर प्रदेश में अभी छिटपुट बारिश ही देखने को मिल रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बारिश व गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है और रविवार को पश्चिम उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली के साथ बारिश और बौछारें पड़ीं। बरेली, पीलीभीत, शामली, अलीगढ़, एटा, सहारनपुर, मैनपुरी, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, कासगंज आदि जगहों पर सोमवार को बारिश का अनुमान है।